पंजीयन क्रं. 06/09/01/04737/04

विचार मासिक पत्रिका

कुल पृष्ठ 24, वर्ष 2, अंक 21 | माह - दिसम्बर 2020, मूल्य - निःशुल्क

आपके विकास को समर्पित

॥विचार संस्था॥

(स्थापना वर्ष 2003)

अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान

खेल-खेल में दे रहे 6 से 12 साल के बच्चों को मौलिक शिक्षा

अक्षर ज्ञान से लेकर विज्ञान के प्रयोगों तक

पदाधिकारी

कपिल मलैया
संस्थापक व अध्यक्ष, मो. 9009780020
FB : @KapilMalaiyaOriginal

सुनीता जैन
कार्यकारी अध्यक्ष
मो. 9893800638

आकांक्षा मलैया
सचिव, मो. 9165422888
FB : @AkankshaMalaiyaOriginal

विनय मलैया
कोषाध्यक्ष, मो. 9826023692

नितिन पटैरिया
मुख्य संगठक, मो. 9009780042

अखिलेश समैया
मीडिया प्रभारी, मो. 9302556222

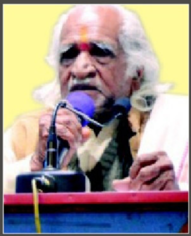

हरगोविंद विश्व
मार्गदर्शक

राजेश सिंघई
मार्गदर्शक

श्रीयॉश जैन
मार्गदर्शक

पता - 258/1, आदिनाथ कार्स लिमि. के पीछे, तिलकगंज वार्ड,
सागर (म.प्र.) - 470002, हेल्पलाइन नं. 9575737475

विचार समिति का मासिक प्रकाशन

विचार मासिक पत्रिका

वर्ष - 2, अंक - 21, दिसम्बर - 2020

संपादक

आकांक्षा मलैया

प्रबंधक व प्रकाशक

विचार समिति

स्वामित्व

विचार समिति

258/1, मालगोदाम रोड

तिलकगंज सागर (म.प्र.)

पिन - 470002

Email: sanstha.vichar@gmail.com

Phone: 9575737475

मुद्रण

तरूण कुमार सिंघई, अरिहंत ऑफसेट

पारस कोल्ड स्टोरेज, बताशा गली,

रामपुरा वार्ड, सागर (म.प्र.)

पिन - 470002

अनुक्रमाणिका

विचार संस्था की गतिविधियां :-

1. 'अंत्योदय शिक्षा प्रेरक' अभियान के माध्यम से पहुँचा रहे हर आखिरी बच्चे तक मौलिक शिक्षा......4

2. खेल-खेल में दे रहे बच्चों को अक्षर ज्ञान से लेकर विज्ञान के प्रयोगों तक की जानकारी...........

3. कौन हैं तीन माह तक बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा देने वाले वह 30 प्रेरक..9

4. 'अंत्योदय शिक्षा प्रेरक' अभियान को सफल बनाने के पीछे हैं नि:स्वार्थ दानदाता..............................10

5. साप्ताहिक ऑनलाइन बैठक में हुई प्राथमिक चिकित्सा पर चर्चा..11

6. विचार हेल्प डेस्क के माध्यम से बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में सौ दिनों में एक हज़ार समस्याओं का हुआ निवारण...14

7. 44 युवतियों ने 50 हज़ार गोबर के दीपक बनाकर पहली कमाई से दीपावली की रौशन.......................16

8. दानदाताओं ने युवतियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रदान की पूँजी...18

9. नगर पालिक निगम के स्वच्छता सर्वेक्षण 2021 में अहम योगदान देगी विचार संस्था 19

मीडिया कवरेज 20

खेल-खेल में दे रहे बच्चों को अक्षर ज्ञान से लेकर विज्ञान के प्रयोगों तक की जानकारी

इस कोरोना के दौर में कई ऐसे नन्हे-नन्हे बच्चे हैं, जो तकनीकी एवं अन्य सुविधाओं के अभाव में शिक्षा से वंचित रह गए हैं। उनके लिये आइएसआरएन एवं विचार संस्था द्वारा एक छोटा सा प्रयास किया जा रहा है जो है अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान। इस अभियान के अंतर्गत संस्थाओं ने स्वयं सेवकों को प्रेरित किया है कि वह 3 माह के लिए 6-12 वर्ष के जरूरतमंद बच्चों को निशुल्क पढ़ाने का संकल्प लें।

इन प्रेरकों द्वारा बच्चों को रोचक तरीकों से मौलिक ज्ञान की बातें सिखाने का प्रयास किया जा रहा है। जैसे खेल के माध्यम से बच्चों को सम-विषम नंबर सिखाए जा रहें है तो बैठने के तरीके से बढ़ते और घटते क्रम को समझाने का प्रयोग किया जा रहा है ।जैसे सेव खाते- खाते बच्चे को सेव के फायदे बताना, खुद बच्चों से पेड़ का बीज लगवाना और समय समय पर पौधे के बड़े होने की प्रक्रिया समझाना, पौधे के अंग बताना। घरेलू सामान से ही बच्चों को विज्ञान के ढेरों प्रेक्टिकल एक्सपेरिमेंट करवाए जा रहे हैं । बच्चे चीज़ें को देख -देखकर जल्दी सीख पाएं इसके लिए उन्हें अल्फाबेट्स, फल, सब्जी, शरीर के अंग, गुड मैनर्स आदि के चार्ट्स के प्रयोग से सिखाया जा रहा है। संस्था सचिव आकांक्षा मलैया का कहना है कि "इस अभियान से न केवल बच्चे उस ज्ञान को ज़िन्दगी भर अपने ज़हन में रखेंगे, बल्कि आगे पढाई करने के लिए भी प्रेरित हो सकेंगे" ।

अब तक सागर में 30 अंत्योदय शिक्षा प्रेरकों ने मिलकर 28 स्थानों पर एक साथ 355 बच्चों को शिक्षा देने कि शुरुवात की है और निरंतर नये प्रेरक भी इस मुहिम से जुड़ते जा रहे हैं। सभी गतिविधियां कोरोना सुरक्षा को ध्यान में रखकर कराई जाती हैं। प्रेरकों के नाम हैं पूनम मेवाती, डॉ हेमंत सिंह, सुझाता छत्री, श्रेष्ठ मुखारया, प्रखर नेमा, वर्षा राजपूत, रविकांत रैकवार, अभिलाषा जाटव, अक्षय कठल, वैशाली प्रजापति, पूजा नामदेव, दीक्षा भदौरिया, प्राची जैन, मधु मौर्य, उन्नति मौर्य, कविता साहू, अंजलि जैन, पूजा पड़ेले जैन, पूजा जैन, क्रांति जैन, रिचा जैन, ज्योति जैन, प्रियंका जैन, निशा यादव, लक्षिता जैन, रेशू जैन एवं प्रीति केशरवानी।

विचार संस्था से अभियान की प्रभारी पूजा पडेले जैन हैं। मुहिम में हर सप्ताह प्रेरकों को पढाई एवं रचनात्मक गतिविधियों के लिए विचार संस्था द्वारा सामग्री प्रदान की जाती है। इस श्रंखला में सौरभ रांधेलिया द्वारा बच्चों को नोटबुक और पेन एवं अखिलेश समैया द्वारा मास्क प्रदान किये गए हैं।

अंत्योदय शिक्षा प्रेरक

पहले सप्ताह के दिशा निर्देश

प्रेरक प्राची जैन-पंतनगर वार्ड, वर्षा राजपूत-नयाखेडा, पूनम मेवाती-तिलकगंज, लक्षता जैन रामपुरा बच्चों से डिस्पोजेबल ग्लास के निचे उनका नाम लिखवाकर और फिर गिलास पर पेंटिंग करवाते हुये

अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान में बच्चों को पड़ने वाले प्रेरकों को विचार संस्था द्वारा निम्नलिखित दिशा निर्देश दिए जाते है –

- प्रतिदिन बच्चों के आते ही उनके साबुन से हाथ धुलवाएं या sanitize करवाएं।
- देखें की हर बच्चा मास्क पहना हो।
- यदि किसी बच्चे की तबियत राब लग रही हो तो बिना रिस्क लिए उसे घर भेजें ।
- प्रतिदिन अटेंडेंस शीट में उपस्थिति लें।

दिन 1

- जो बच्चा मास्क ना पहना हो उसे मास्क पहनाएं ।
- बच्चों से उनका परिचय लें ।
- बच्चों से डिस्पोजेबल ग्लास के निचे उनका नाम लिखवाएं और फिर गिलास पर पेंटिंग करवाएं ।

दिन 2

- बच्चों से उसके डिस्पोजेबल ग्लास में नीचे 2-3 छोटे छेद करवाएं, मिटटी भरवाएं और 2-2 बीज लगवाएं ।
- बच्चों से पेडो के बारे में चर्चा करें, उन्हें बताएं की किस प्रकार यह बीज पेड़ बनेगा।
- उन्हें यह दायित्व दे की वह अगले तीन महीने इस कक्षा में आकर अपने पौधे को खुद पानी दें ।

दिन 3

- यदि कुछ छोटे बच्चों को गिनती (1,2,3,...) नहीं आती है, तो बड़े बच्चों से बोले की वह उन्हें गिनती बोलकर बताएं और सिखाएं
- बच्चों को सम-विषम नंबर के बारे में बताएं।
- फिर उन्हें सम-विषम गेम खिलाएं । इसमें बच्चे अपने स्थान पर खड़े हो जायेंगे। जब आप कोई विषम नंबर जैसे (1,3,5,7,9) पुकारेंगे, तब बच्चों को अपने स्थान पर उछलना है,और जब सम नंबर (2,4,6,8,10) पुकारे तो खड़े रहना है।
- एक-एक बच्चे को बोले की वह बाकी बच्चों को स्कूल में सीखी हुई कोई एक चीज़ बताये, जैसे कोई नर्सरी राइम, स्टोरी, मैथ्स या कोई और ज्ञान की बात ।
- इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों की क्षमताओं और अभी तक के ज्ञान को समझें।

दिन 4

- पिछले दिनों की बातें दुहराएँ ।
- विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बच्चों की छमताओ और अभी तक के ज्ञान को बेहतर समझें, ताकि हम उस हिसाब से आगे की गतिविधियां प्लान कर सके ।

दूसरे सप्ताह के दिशा निर्देश

प्रेरक पूजा पडेले-कटरा, योग कराते हुये

प्रेरक अंजलि जैन -कटरा, किट देते हुये

इस सप्ताह की थीम – भारत को जानों

गतिविधियां–

• रोज 5 से 10 मिनिट के लिये बच्चों को अलग अलग योगा और एक्सरसाइज करायें, मेडिटेशन करायें।

• प्रतिदिन अटेंडेंस शीट में उपस्थिति लें।

• सभी बच्चों की उम्र एवं प्रोग्रेस निरंतर नोट करें।

• हर बच्चे को 1–1 नोटपैड, पेन, पेंसिल, रबर, कटर, पेंटब्रश, मास्क, की किट दें (बचे हुए किट सें नए बच्चों के लिए या इन्ही बच्चों को बाद में प्राइज देने के लिए बचाकर रखें)।

• भारत को जानो पुस्तक के माध्यम से बच्चों को भारत के बारे में बताएं (अलग–अलग वर्ग के बच्चों को उनकी उम्र के मुताबिक भारत के बारे में उन्हें जानकारी दें जिससे वो आसानी से सीख सकें)।

• प्रतिदिन 3 राष्ट्रीय चिन्ह काटकर बच्चों से नोटबुक में चिपकवाए और उनके बारे में बताएं।

• तिरंगा देकर बच्चों को तिरंगे और अशोक चक्र के बारे में बताएं।

• भारत के नक्शे के माध्यम से बच्चों को सभी राज्यों के बारे में बताएं।

• बच्चों को क्विज शीट में लिखी जानकारियां याद करवाएं और उनका क्विज लें।

• इन पॉइंट्स के अलावा भी कुछ और ज्ञानकारी जो हम शायद इसमे नही देपाए, आप उसे खेल एवं अन्य माध्यमों से बच्चों को बतायें।

प्रेरक रिचा जैन-भीतर बाजार, प्रीती केशरवानी-मढिया, मधु उन्नत मौर्य-सदर, निशा यादव-सागर
बच्चो को भारत के झण्डे एवं अशोक चिन्ह एवं भारत जानो पुस्तक के माध्यम से भारत के वारे में जानकारी देते हुये

तीसरे सप्ताह के दिशा निर्देश

प्रेरक ज्योति जैन-मढदेवरा, फल की जानकारी देते हुये

• हर बच्चे को 2 मास्क देते हुए समझाएं कि प्रतिदिन उनको मास्क धोकर पेहेनना है बिना मास्क के कक्षा में प्रवेश निषेध है।

• बढ़ती ठण्ड की दृष्टि से बच्चों को मोज़े प्रदान किये गए हैं।

• गणित की पढाई पर ध्यान दें। जिस बच्चे को 1 से 20 तक गिनती आती हो उसे 100 तक सिखाएं, वो भी आता हो तो नंबर लिखना सिखाएं, या नंबर की स्पेलिंग लिखना, या उलटी गिनती या जोड़ करना या घटाना करना इत्यादि ।

• आप बच्चों को रोज़ एक पेज हिंदी और एक पेज इंग्लिश लिखने का होम वर्क भी दे सकते हैं।

• चार्ट्स के माध्यम से फलों के बारे में सिखाएं, हाथ धोने की प्रक्रिया सिखाएं।

• सप्ताह की आखरी क्लास में दीपावली एवं चिल्ड्रेन्स डे मनाया जिसमे बच्चों को बिज़नेस सेट गेम खिलाया और चॉकलेट दी। यदि बच्चे छोटे हैं तो बिज़नेस सेट से सिर्फ नकली नोट निकालकर उनसे पेन, पेंसिल, नोटबुक आदि उपलब्ध सामग्री की दुकान लगवाएं। खेल खिलाने का मूल उद्देश्य है नकली नोट के माध्यम से गिनती सिखाना।

प्रेरक कांति जैन-इतवारी वार्ड, बच्चो के चॉकलेट देते हुये

बच्चें बिजनेस गेम एवं कैरम खेलते हुये

चौथे सप्ताह के दिशा निर्देश

प्रेरक श्रेष्ठ मुखारया-रजाखेडी, प्रखर नेमा-मकरोनिया, ब्रच्चों द्वारा बनाये गये फैमिली - ट्री

• बच्चों से उनके परिवार के सदस्यों की फोटो बुलवाएं, और नोटबुक में फोटो चिपकाकर फॅमिली ट्री बनवाएं । यदि फोटो न हों तो बच्चे चित्र भी बनवा सकते हैं।

• बच्चों को हिंदी एवं अंग्रेजी में परिवार के सदस्यों के नाम सिखाएं ।

• हर बच्चों को एक 'सेवा का संकल्प' दिलवाएं (जैसे–मैं एक पौधा लगाऊंगा /मैं माताजी को खाना बनाने में मदद करूँगा/ मैं दादी के पैर दबाऊँगा) इत्यादि। बच्चों से वह संकल्प नोटबुक में लिखवाएं । फिर एक वीडियो बनायें जिसमे सभी अच्छे अपना अपना संकल्प बताएं ।

• यह सब कार्य कोरोना की सुरक्षा का

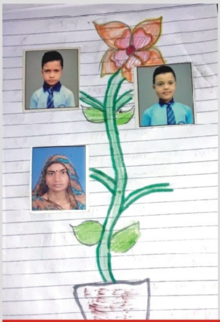

प्रेरक वर्षा राजपूत-नयाखेडा, उन्नत मौर्य-सदर

प्रेरक अभिलाषा-गुलाब कालोनी, बच्चों से पौधे लगवाते हुये

कौन हैं तीन माह तक बच्चों को निशुल्क शिक्षा देने वाले वह 30 प्रेरक

अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान सागर 2020			
क्र.	प्रेरक का नाम	पूरा पता	विद्यार्थियों की संख्या
1	पूनम मेवाती जी	14/348 पुरानी जैदका गैस एजेंसी, शिव मंदिर तिलकगंज सागर (म.प्र.)	15
2	श्रेष्ठ मुखारया जी	परिणय बैंक्वेट हॉल, रजाखेड़ी मकरोनिया सागर (म.प्र.)	19
3	वर्षा राजपूत जी	नयाखेड़ा पोस्ट सिदगुवा सागर (म.प्र.)	9
4	प्रखर नेमा जी	सागरश्री हॉस्पिटल के पीछे, प्रभाकर नगर मकरोनिया सागर (म.प्र.)	8
5	रविकांत रैकवार जी	पोद्दार कॉलोनी शिवाजी वार्ड सागर (म.प्र.)	12
6	अभिलाषा जाटव जी	गुलाब कॉलोनी सागर (म.प्र.)	20
7	कांति जैन जी	हनुमान पायेगा इतवारी वार्ड सागर (म.प्र.)	10
8	वैशाली जी	सुनील हार्डवेयर, कब्रिस्तान गेट के सामने राजीव नगर वार्ड, भोपाल रोड सागर (म.प्र.)	20
9	प्राची जैन जी	306 पंतनगर वार्ड सागर (म.प्र.)	10
10	मधु मौर्य,	पुरानी सागर, दुर्गा मंदिर के पास कैंट सागर (म.प्र.)	15
11	उन्नत मौर्य जी	पुरानी सागर, दुर्गा मंदिर के पास कैंट सागर (म.प्र.)	
12	पूजा पड़ेले जैन जी,	पड़ेले भवन, सिंघई मेडिकल के पीछे सागर (म.प्र.)	20
13	अंजलि जैन जी	पड़ेले भवन, सिंघई मेडिकल के पीछे सागर (म.प्र.)	
14	प्रीति केशरवानी जी	माता मढ़िया, सागर (म.प्र.)	22
15	रिचा जैन जी	भीतर बाजार सागर (म.प्र.)	16
16	ज्योति जैन जी	शाहगढ़ मढ़देवरा (म.प्र.)	20
17	प्रियंका जैन जी	जेल के पीछे, सागर (म.प्र.)	6
18	निशा यादव जी	जेल के पीछे, सागर (म.प्र.)	6
19	लक्षता जैन जी	चित्रांश स्कूल के पीछे, रामपुरा वार्ड सागर (म.प्र.)	12
20	प्रियंका गोदरे जी	साथी प्रकाशन के पीछे, कटरा बाज़ार सागर (म.प्र.)	10
21	प्रभा साहू जी	गुलबिया गोदाम के पास, भगवानगंज सागर	10
22	सपना पटेल जी	बाघराज वार्ड, सागर	10
23	प्रियंका पटेल जी	अम्बेडकर वार्ड, सागर	10
24	रौशनी अहिरवार	तुलसीनगर वार्ड सागर	10
25	उजाला अहिरवार	तुलसीनगर वार्ड सागर	10
26	मुस्कान अहिरवार	तुलसीनगर वार्ड सागर	15
27	पूजा मिश्रा जी	गुरु गोविन्द सिंह वार्ड सागर	10
28	ज्योति दुबे जी	भगवानगंज वार्ड सागर	10
29	श्रद्धा ठक्कर जी	तुलसीनगर वार्ड सागर	10
30	मिनी जैन जी	रामपुरा वार्ड सागर	10
	कुल विद्यार्थी		355

'अंत्योदया शिक्षा प्रेरक' अभियान को सफल बनाने के पीछे हैं निःस्वार्थ दानदाता

श्री प्रकाश गंगवाल जी नें 100 बच्चों के लिए पेन्सिल, रबर, शापनर, स्केल प्रदान किए

श्री अखिलेश समैया जी नें बच्चों के लिए मास्क प्रदान किए

श्री ब्रजेन्द्र ठाकुर जी के द्वारा 200 जोडे बच्चों के मोजे प्रदान किए

श्री संजीव कठल जी (भारत विकास परिषद) के द्वारा बच्चों के लिए बाइट बोर्ड एवं भारत को जानों पुस्तके प्रदान कि

श्री सौरभ रांधेलिया (एस टी कोमलचंद, सिविल लाइन) जी के द्वारा बच्चों के लिए नोटपैड प्रदान किये

श्रीमति निधि जैन जी (खाद), नें 260 बच्चों के लिए चॉकलेट प्रदान किए

. साप्ताहिक ऑनलाइन बैठक में हुई प्राथमिक चिकित्सा पर चर्चा

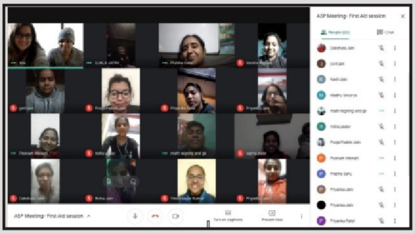

इस सप्ताह बच्चों को सिखाने के लिये प्राथमिक चिकित्सा थीम रखी गयी है ।

किसी रोग के होने या चोट लगने पर किसी अप्रशिक्षित व्यक्ति द्वारा जो सीमित उपचार किया जाता है उसे प्राथमिक चिकित्सा कहते हैं। इसका उद्देश्य कम से कम साधनों में इतनी व्यवस्था करना होता है कि चोटग्रस्त व्यक्ति को सम्यक इलाज कराने की स्थिति में लाने में लगने वाले समय में कम से कम नुकसान हो। अत: प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षित या अप्रशिक्षित व्यक्तिओं द्वारा कम से कम साधनों में किया गया सरल उपचार है। कभी-कभी यह जीवन रक्षक भी सिद्ध होता है।

कुछ छोटे-छोटे विषयों पर हमारे सभी प्रेरक ने चर्चा की कि इस प्रकार की कोई भी स्थिति बने तो हमे तुरंत किस प्रकार प्राथमिक चिकित्सा का उपयोग करना है। साथ ही हम सबके बीच नर्स मीना दीदी जी भी मौजूद थी जिन्होनें हमे बहुत सी आवश्यक जानकारी दीं।

स्तब्धता (Shock) का प्राथमिक उपचार संपादित करें-

यदि रक्तस्त्राव होता हो तो बंद करने का उपाय करें। गर्दन, छाती और कमर के कपड़े ढीले करके खूब हवा दें। रोगी को पीठ के बल लिटाकर सिर नीचा एक तरफ करें। रोगी को अच्छी तरह कोट या कंबल से ढकें तथा पैर में गरम पानी की बोतल से सेंक करें।

सिर में चोट न हो तो स्मेलिंग साल्ट सुंघाएँ और होश आने पर गरम तेज चाय अधिक चीनी डालकर पिलाएँ। जरुरी हो तो ऑक्सीजन एप्लाई करें। रक्त स्त्राव होने पर निचली एक्सटर्मिटीज को एलिवेशन दे, परन्तु रीढ़ की चोट में ऐसा न करे।

सांप काटने पर प्राथमिक चिकित्सा संपादित करें –

रोगी को आराम दे, शांत और आश्वासन दें । सांप के काटे हुए स्थान को साबुन लगाकर, ज्यादा पानी में अच्छे से धोयें। सांप के काटे हुए स्थान को हमेशा दिल से नीचें रखें । काटे हुए स्थान और उसके आस-पास बर्फ पैक लगायें ताकि इससे जहर का फैलना कम हो जाये

प्रभावित व्यक्ति को सोने ना दें और हर पल नजर रखें होश न आने पर ABC रूल अपनाएं (A=Airway, B=Breathing and C=Circulation) । जितना जल्दी हो सके मरीज़ को अस्पताल पहुंचाएं। सांप के काटने पर इलाज के लिए सही एंटी-टोक्सिन या सांप के सीरम को चुनने के लिए सांप की पहचान करना बहुत आवश्यक है।

अस्थिभंग (fracture) का प्राथमिक सामान्य उपचार संपादित करें–

अस्थिभंग वाले स्थान को पटरियों तथा अन्य उपायों से अचल बनाए बिना रोगी को स्थानांतरित न करें। चोट के स्थान से यदि रक्तस्त्राव हो रहा हो तो प्रथमतः उसका उपचार करें। बड़ी चौकसी के साथ बिना बल लगाए, अंग को यथासाध्य अपने स्वभाविक स्थान पर बैठा दें। जब संशय हो कि हड्डी टूटी है या नहीं, तब भी उपचार उसी भाँति करें जैसा हड्डी टूटने पर होना चाहिए।

मोच (sprains) का प्राथमिक उपचार संपादित करें –

मोच के स्थान को यथासंभव स्थिर अवस्था में रखकर सहारा दें, जोड़ को अपनी प्राकृतिक दशा में लाकर उसपर खींचकर पट्टी बाँधें और उसे पानी से तर रखें, तथा इससे भी आराम ने मिलने पर पट्टी फिर से खोलकर बाँधें।

रक्तस्त्राव का प्राथमिक उपचार संपादित करें–

घायल को हमेशा ऐसे स्थान पर स्थिर रखें जिससे रक्तस्त्राव का वेग कम रहे। अंगों के टूटने की अवस्था को छोड़कर अन्य सभी अवस्थाओं में जिस अंग से रक्तस्त्राव हो रहा हो उसे ऊँचा रखें। कपड़े हटाकर घाव पर हवा लगने दें तथा रक्तस्त्राव के भाग को ऊँगली से दबा रखें । बाहरी वस्तु, जैसे शीशा, कपड़े के टुकड़े, बाल आदि, को घाव में से निकाल दें ।

घाव के आसपास के स्थान पर जीवाणुनाशक तथा बीच में रक्तस्त्रावविरोधी दवा लगाकर रुई, गाज (gauze) या लिंट (lint) रखकर बाँध दें।

फाँसी, गला घुटने तथा बिजली लगने का प्राथमिक उपचार संपादित करें –

फाँसी लगाए हुए व्यक्ति के नीचे के अंगों को पकड़कर तुरंत शरीर उठा दें, ताकि उसके गले की रस्सी का कसाव कम हो जाए। रस्ज़्सी का कसाव कम हाने पर रस्सी काटकर गला छुड़ा दें। फिर कृत्रिम श्वास लिवाएँ। गला घुटने की अवस्था में पीठ पर स्कैपुला (scapula) के बीच में जोरों से मुक्का मारें और फिर गले में उँगली डालकर उसे वमन कराने की चेष्टा करें। इसी प्रकार विषैली गैसों से दम घुटने पर दरवाजे, खिड़कियाँ, रोशनदान आदि खोलकर कमरे का गैस बाहर निकाल दें और रोगी को अपने मुंह के श्वास द्वारा आक्सीजन देने का प्रयास करें।

बिजली का शॉक मारने पर तुरंत बिजली का संबंध तोड़कर रोगी को कृत्रिम श्वास दिलाएँ तथा उत्तेजक पदार्थों का सेवन कराएँ।

इस मीटिंग के दौरान विचार सचिव अकांक्षा मलैया जी, नर्स मीना दीदी जी, पूजा पडेले जैन, पूनम मेवाती जी, रविकांत, प्रखर, क्रांति जी, प्रियंका, कविता साहू, अभिलाषा, रिचा, लक्षता, वैशाली, प्रियंका, मिनी, वर्षा, मधु मौर्य, ज्योति, प्रियंका, निशा, प्रभा साहू, सपना एवं उजाला उपस्थित रहीं।

पूजा पडेले जैन
अभियान प्रभारी

1,000 समस्याओं का निवारण

विचार हेल्प डेस्क के माध्यम से बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में सौ दिनों में एक हज़ार समस्याओं का हुआ निवारण

सागर के बुंदेलखंड मेडिकल कालेज में कोविड 19 से संक्रमित मरीजों के इलाज के दौरान डॉक्टर, मरीज और उनके परिजनों के बीच सही तालमेल नही हो पा रहा था जिसके चलते वहां आये दिन विवाद जैसे स्थितियां बन जाया करती थी।

उस दौरान सागर कमिश्नर रहे जे.के. जैन ने हेल्प-डेस्क चलाकर इन होने वाली समस्याओं को दूर करने में विचार संस्था से सहयोग मांगा था। विचार संस्था की टीम ने इसके लिए एक बैठक आहूत की जिसमें सभी की सहमति से हेल्प-डेस्क की शुरुआत की गई। सुबह 6 बजे से रात्री 12 बजे तक 2-2 विचार सेवकों के सहयोग से 4 घण्टे की शिफ्टों में कार्य कर रही हेल्प-डेस्क ने 100 दिन पूरे करते हुए 1 हजार समस्याओं को निदान कर पाने में

विचार कोरोना वारियर्स बीएमसी में अपनी सेवाएं देते हुए

विचार कोरोना वारियर्स बीएमसी में अपनी सेवाएं देते हुए

सफलता पाई है। हेल्प-डेस्क ने बीएमसी प्रबंधन वहाँ इलाजरत कोविड 19 मरीज और उनके परिजन की दूरी को कम करने में सफलता पाई है। आज जहॉ कोविड 19 मरीजों के बीच कोई जाना नही चाहता ऐसे समय उनके बीच रहकर हेल्प-डेस्क चलाने पर विचार सेवकों की जिंदादिली की सागर जिला में जमकर

तारीफ हो रही है।

यहां पर सेवाएं दे रहे सभी विचार सेवकों ने उस दौरान के अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि जब यहां सॉरी वार्ड में एडमिट हुए मरीज की जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर उन्हें एच.डी.यू. या आई.सी.यू. में शिफ्ट कर दिया जाता हैं। उस दौरान मरीज के परिजन परेशान रहते हैं, जिसके कारणों में संपर्क सूत्र न हो पाना उन्हें परेशानी का कारण बन जाता है। इस स्थिति में हेल्प डेस्क के विचार सेवक मरीज की पूरी जानकारी लेते हैं, डॉक्टरों से सम्पर्क करते हैं। साथ ही दूरभाष और वीडियो कॉल के जरिए परिजन और मरीज की बात करा देते हैं।

हेल्प-डेस्क के प्रभारी अखिलेश समैया ने बताया कि यहाँ पर रखे कम्प्यूटर के माध्यम से स्काई एप पर कॉलिंग के साथ बीएमसी प्रबंधन द्वारा सॉरी, एच.डी.यू. और आई.सी.यू वार्डों में उपलब्ध मोबाइल के माध्यम से बात और वीडियो कॉलिंग कराई जाती है। मरीज और परिजनों के इस तरह के संवाद से उन्हें

हेल्पडेस्क पर सेवाएं देते हुए विचार वालंटियर

covid-19 मरीजों के लिए दिए जाने वाले खाने का निरीक्षण समय समय पर विचार हेल्प डेस्क वालंटियर के द्वारा किया जाता रहता है

खाने का निरीक्षण करते हुए हेल्पडेस्क वालंटियर अनुराग विश्वकर्मा एवं तुलसीराम दाऊ जी

विचार संस्था की अपील पर इस दीवाली पर गोबर के दिए जलाएं

44 युवतियों ने 50 हज़ार गोबर के दीपक बनाकर पहली कमाई से दीपावली की रौशन

आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा देने के लिए इस बार समाजसेवी संस्थाओं की मदद से शहर की 44 युवतियों ने मिलकर 50 हजार गोवर के दिए तैयार किए हैं इसके लिए विचार संस्था द्वारा शहर की बस्तियों में रहने वाली जरूरतमंद युवतियों को चिन्हित किया गया। इन्हे गोवर के दीए बनाने की ट्रेनिंग दी और इन दीपको की खरीदी के लिए शहर की अन्य समाजसेवी संस्थाओं को प्रोत्साहित किया नतीजा 1 माह के भीतर युवतियों ने बड़ी संख्या में दीपकों का निर्माण किया और अब यह दिए बाजार में उपलब्ध कराए गए हैं। 50 हजार दीपकों की बिक्री से युवतियों को 75 हजार रुपये तक का मुनाफा हुआ जिसमें इस बार उनके घर में दीपावली की रौनक और बढ़ गई ।

मोहल्ला टीमों के द्वारा बनाये गए गोबर के दीपक

गोबर में मिलाते हैं मिट्टी और लकड़ी का बुरादा ताकि दीपक न तो जले और न ही तेल बहे- आकांक्षा मलैया

विचार संस्था सचिव ने बताया कि गोवर के दीपक का नाम सुनते ही लोगों के मन में तेल बहने और दीपक जलने जैसी सवाल उठते हैं लेकिन ऐसा नहीं है। यह दिए मिट्टी के बराबर ही है। इसे इसके पीछे हमारी टीम की बड़ी रिसर्च है गोवर के साथ हम मिट्टी

मोहल्ला टीम के सदस्य गोबर के दीपक बनाते हुये

लकड़ी का बुरादा गौगम और जिगत पाउडर मिलाते हैं जिससे दीपक के जलने और तेल बहने जैसी संभावनाएं नहीं होती वही पूजन में गोबर का महत्व ज्यादा होता है इसलिए ऐसे दीपक बनाने का विचार मन में आया। 2.50 पैसे का दीपक इस दीपावली 75 हजार रुपये का मुनाफा आकांक्षा मलैया बताती है कि इन्होंने अपने प्रोजेक्ट को शहर की समाजसेवी संस्थाओं से साझा किया जिसमें कई संस्थाओं ने 2.75 पैसे प्रति दीपक के हिसाब से युवतियों को एडवांस भुगतान तक कर दिया इसमें इससे युवतियों ने दीपक बनाने की सामग्री खरीदी और दीपक तैयार होते ही हाथों हाथ बिक गए इससे तभी दीवार पर युवतियों को 75 हजार रुपये का मुनाफा हुआ इसे सौरभ रांधेलिया, राजेश सिंघई, नितिन पटेरिया आदि ने प्रोत्साहित किया।

दिया बनवाने में विशेष सहयोग

संत रविदास वार्ड मोहल्ला समन्वयक श्रीमति सरिता गुरु जी के द्वारा दिया प्रोजेक्ट में विशेष सहयोग रहा इनके द्वारा गोबर की सामग्री जैसे बडे दिए, छोटे दिए, ओम, श्री, स्वास्तिक , छोटे शुभ-लाभ, बडे शुभ-लाभ, सामरानी कप आदि सामग्री बनवाने में इनका विशेष सहयोग रहा है, संस्था इनका सह्रदय धन्यवाद करती है।

दानदाताओं ने युवतियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रदान की पूँजी

नगर पालिक निगम की स्वच्छ सर्वेक्षण 2021योजना में विचार संस्था अहम योगदान देगी।

सागर की विचार संस्था स्वक्षता सर्वेक्षण को लेकर कई योजनाओं पर कार्य करती आई है। होम कम्पोस्टिंग, सिंगल यूज पॉलीथिन एवं डिस्पोजल के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने के प्रति जागरूकता फैलाने को लेकर भी संस्था ने बढ़-चढ़कर कार्य किया है। इन्ही सब सक्रियता को देखते हुए और प्रशासन द्वारा ऐसी योजनाओं में अग्रणी सहयोग मिलते रहने के चलते नगर पालिक निगम आयुक्त आर. पी. अहिरवार ने अपने प्रोजेक्ट होम कम्पोस्टिंग, रीयूज और रिफ्यूज पर कार्य करने और जनजागरूकता फैलाने के लिए विचार संस्था से एक बार फिर सहयोग मांगा है। होम कम्पोस्टिंग के अंतर्गत कचरा परिवहन की लागत कम हो सकती है और इसके द्वारा आर्गेनिक खाद भी प्राप्त हो सकती है। रीयूज योजना से उपयोग की

मोहल्ला टीमों को जानकारी देते हुये निगम अधिकारी

गई सामग्री का पुनः उपयोग हो सकता है। इसके द्वारा गोबर से गमले, दिये, गौकाष्ट

होम कम्पोस्टिंग का प्रशिक्षण देते कोषाध्यक्ष विनय मलैया जी

बनाना, कागज रीसायकल आदि पर कार्य किया जा सकता है वहीं रिफ्यूज योजना में सिंगल यूज पॉलीथिन, डिस्पोजल आदि का उपायोग न करने के लिए नागरिकों को जागरूक कर सकते हैं। इन सभी योजनाओं को नगर पालिक निगम ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 नाम दिया है जिसमें विचार संस्था द्वारा बैठक आहूत कर इस योजना में सहयोग करने का निर्णय लिया गया है। संस्था द्वारा इसमें सागर नगर निगम के अंतर्गत आने वाले 48 वार्डो के 5 हजार विचार परिवारों में प्रारंभ कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, इसके अंतर्गत विचार मोहल्ला टीमों के वार्ड स्तर पर आदर्श परिवारों का नाम देकर योजना को सुचारू रूप से संचालित किया जायेगासाथ ही साथ प्लास्टिक का कम से कम उपयोग या उपयोग होने पर भी प्लास्टिक रीसायकल तथा गीला कचरा व सूखा कचरे को

एन्जाइम बनाने की विधि बताते हुये संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया

व्यवस्थित करने का प्रशिक्षण भी दिया गया।

होम कम्पोस्टिंग प्रशिक्षण संस्था के कोषाध्यक्ष विनय मलैया ने दिया, संस्था के अध्यक्ष कपिल मलैया जी ने एन्जाइम बनाने की विधि बताई, निगम से संजय तिवारी, सचिन मसीह, गौरब सिंह राजपूत,रोमिल जैन (केपीएमजे) , मकरोनिया नगर पालिका से आशीष जैन, समीर जैन, मनोज भाई, मोहल्ला समन्वयक प्रभा साहू, विनीता जोशी, अमित शर्मा, उर्मिला वर्मा, नीलू सागर, विनीता जैन,कस्तूरीबाई विश्वकर्मा ,तुलसी राम दाऊ, अनुराग विश्वकर्मा, ममता अहिरवार, महेंद्र सेन, अलोक जैन,राजा अहिरवार आदि ।

कार्यक्रम का संचालन मुख्य सहायक अखिलेश समैया ने किया आभार मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने माना।

संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया मोहल्ला टीमों को एन्जाइम एवं होम कम्पोस्टिंग की जानकारी देते हुये

मीडिया कवरेज

दैनिक भास्कर सागर 14-11-2020

सार्थक दीपावली • शहर की समाजसेवी संस्था ने युवतियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए दी थी ट्रेनिंग

44 युवतियों ने तैयार किए गोबर के 50 हजार दिए, पहली कमाई से रोशन हो गई दीपावली

भास्कर संवाददाता | सागर

आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा देने के लिए इस बार समाजसेवी संस्थाओं की मदद से शहर की 44 युवतियों ने मिलकर 50 हजार गोबर के दीये तैयार किए हैं। इसके लिए विचार संस्था द्वारा शहर की बस्तियों में रहने वाली जरूरतमंद युवतियों को चिंहित किया गया। उन्हें गोबर के दीये बनाने की ट्रेनिंग दी और इन दीपकों की खरीदी के लिए शहर की अन्य समाज सेवी संस्थाओं को प्रोत्साहित किया। नतीजा एक माह के भीतर युवतियों ने बड़ी संख्या में दीपकों का निर्माण किया और अब ये दीये बाजार में उपलब्ध कराए गए हैं। 50 हजार दीपकों की बिक्री से युवतियों को 75 हजार रुपए तक का मुनाफा हुआ, जिससे इस बार उनके घर में दीपावली की रौनक और बढ़ गई।

घर में गोबर के दीये तैयार करती युवती।

गोबर में मिलाते हैं मिट्टी और लकड़ी का बुरादा ताकि दीपक न तो जले और न ही तेल बहे

विचार संस्था की आकांक्षा मलैया ने बताया कि गोबर के दीपक का नाम सुनते ही लोगों के मन में तेल बहने और दीपक जलने जैसे सवाल उठते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है। यह दीये मिट्टी के बराबर ही हैं। इसके पीछे हमारी टीम की बड़ी रिसर्च है। गोबर के साथ हम मिट्टी, लकड़ी का बुरादा, गौगंम और जिगत पाउडर मिलाते हैं, जिससे दीपक के जलने और तेल बहने जैसी संभावनाएं नहीं होती। वहीं पूजन में गोबर का महत्व ज्यादा होता है, इसलिए ऐसे दीपक बनाने का विचार मन में आया।

2.50 रु. का एक दीपक, इस दीपावली 75 हजार का मुनाफा

आकांक्षा मलैया बताती हैं कि उन्होंने अपने प्रोजेक्ट को शहर की समाजसेवी संस्थाओं से सांझा किया। जिसमें कई संस्थाओं ने 2.50 रुपए प्रति दीपक के हिसाब से युवतियों को एडवांस भुगतान तक कर दिया। इससे युवतियों ने दीपक बनाने की सामग्री खरीदी और दीपक तैयार होते ही हाथों-हाथ बिक गए। इससे त्यौहार पर युवतियों को 75 हजार का मुनाफा हुआ। इन्हें सौरभ रांधेलिया, राजेश सिंघई, नितिन पटैरिया, कविता साहू आदि ने प्रोत्साहित किया।

दैनिक भास्कर सागर 28-11-2020

निःशुल्क कक्षाएं • जरूरतमंद बच्चों में शिक्षा का अलख जगाने शहर में 20 स्थानों पर लग रही क्लास

खेल-खेल में दे रहे 6 से 12 साल के बच्चों को मौलिक शिक्षा, अक्षरज्ञान से लेकर विज्ञान के प्रयोग तक सिखा रहे

आईएसआरएन और विचार संस्था के अभियान में 25 प्रेरक दे रहे ज्ञान

भास्कर संवाददाता | सागर

कोरोना काल में जरूरतमंद कई बच्चे आर्थिक तंगी तथा तकनीकी सुविधाओं के अभाव में शिक्षा से वंचित हो गए हैं। ऐसे बच्चों में ज्ञान का अलख जगाने का बीड़ा भारतीय सामाजिक जिम्मेदारी नेटवर्क (आईएसआरएन) और विचार संस्था ने उठाया है। अंत्योदय शिक्षा प्रेरक के तहत शुरू हुए अभियान में संस्था से जुड़े 25 अंत्योदय शिक्षा प्रेरक 20 स्थानों पर रोज कक्षाएं लगा रहे हैं।

3 महीने तक चलने वाली इन कक्षाओं में 6 से 12 साल आयु वर्ग के करीब 260 बच्चों को 'करके सीखें' तकनीक के जरिए रोचक तरीकों से निशुल्क मौलिक ज्ञान दिया जा रहा है। यह कक्षाएं शहरी ही नहीं ग्रामीण अंचलों मसलन सिदुवां और शाहगढ़ में भी लगाई जा रही हैं। शहरी क्षेत्र में 231 और ग्रामीण अंचलों में 29 बच्चे इन कक्षाओं में शामिल हो रहे हैं। क्लास में बच्चों को खेल-खेल में सम विषम संख्याओं का ज्ञान दिया जा रहा है। इसके अलावा बैठने के तरीके के जरिए आरोही और अवरोही क्रम भी समझाया जा रहा है। साथ ही खाने-पीने की गतिविधि के दौरान बच्चों को मौलिक ज्ञान की बातें सिखाई जा रहे हैं। मसलन सेव फल खाने के औषधीय फायदे क्या हैं। पौधे लगाना और उसके बढ़ने की प्रक्रिया तथा उसके अंगों के बारे में बताया जा रहा है। वैज्ञानिक सोच विकसित करने के लिए घरेलू सामान से बच्चों को प्रयोग करके भी बताए जा रहे हैं। इसके अलावा चार्ट के जरिए अक्षर ज्ञान, फल, सब्जी और शरीर के अंगों का ज्ञान भी कराया जा रहा है।

यह लोग जुटे हैं पढ़ाने में पूनम मेवाती, डॉक्टर हेमंत सिंह, सुजाता छत्री, श्रेष्ठ मुखारया, प्रखर नेमा, वर्षा राजपूत, रविकांत रैकवार, अभिलाषा जाटव, अक्षय कठल, वैशाली प्रजापति, पूजा नामदेव, दीक्षा भदोरिया, प्राची जैन, मधु मौर्य, उन्नति मौर्य, कविता साहू, अंजलि जैन, पूजा पड़ेले, पूजा जैन, क्रांति जैन, रिचा जैन, ज्योति जैन, प्रियंका जैन, निशा यादव, लक्षिता जैन, रेशु जैन तथा प्रीति केसरवानी।

यह ज्ञान का शुरुआती बेस तैयार करने का प्रयास है

देख-देखकर बच्चे जल्दी सीखते हैं। खुद करके देखने के बाद जो ज्ञान आता है, वह जीवन भर जेहन में रहता है। इस अभियान के तहत बच्चों में ज्ञान का आधार तैयार करने का प्रयास किया जा रहा है। यह अभी तो उनके काम आएगा ही, आगे भी पढ़ाई में मददगार होगा। साथ ही वे पढ़ने के लिए प्रेरित भी होंगे। अभियान की गतिविधियों में शिथिलता नहीं आए। इसके लिए हर रविवार को प्रेरकों की बैठक लेकर मॉनिटरिंग की जाती है।

- आकांक्षा मलैया, सचिव विचार संस्था

संस्था करती है सामग्री मुहैया

इस मुहिम के तहत हर हफ्ते प्रेरकों को पढ़ाई और रचनात्मक गतिविधियों के लिए विचार संस्था द्वारा सामग्री दी जाती है। हाल ही में सौरभ राधेलिया द्वारा बच्चों को वितरित करने के लिए नोटबुक और पेन तथा अखिलेश समैया ने मास्क दिए हैं।

- पूजा पड़ेले, प्रभारी अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान

इन स्थानों पर लग रही कक्षाएं

स्थान	विद्यार्थी	स्थान	विद्यार्थी
तिलकगंज	15	पुरानी सदर	15
जेआर हॉस्टल बीएमसी	0	गुरुगोविंद सिंह वार्ड	10
नेपाल पैलेस	0	कटरा	20
रजाखेड़ी	19	माता मढ़िया	22
सिदुवां	9	भीतर बाजार	16
मकरोनिया	8	शाहगढ़ मढदेवरा	20
पोद्दार कॉलोनी	12	गोपालगंज	6
गुलाब कॉलोनी	20	शिवाजी वार्ड	6
इतवारी वार्ड	10	रामपुरा वार्ड	12
राजीव नगर वार्ड	20	कटरा बाजार	10
पंतनगर वार्ड	10		

मीडिया कवरेज

दैनिक भास्कर

सागर 30-11-2020

स्वच्छता सर्वेक्षण : गीले कचरे से मटका खाद और एन्जाइम बनाकर घरों में कर सकते हैं उपयोग

सागर | स्वच्छता सर्वेक्षण 2021 के के तहत नगर निगम अधिकारियों और विचार संस्था के संयुक्त तत्वाधान में स्टेशन रोड के पास एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। विचार संस्था की ओर से विनय मलैया ने बताया कि घरों से निकलने वाले गीले कचरे जैसे सब्जी एवं फलों के छिलके, पत्ते, घरों से निकलने वाली अनुयोगी चाय पत्ती, पूजन आदि से घर में मटका बना सकते हैं। विचार संस्था संस्थापक कपिल मलैया ने बताया की जैविक कचरा जैसे घर की कच्ची सब्जियों के छिलके जिसमें निश्चित मात्रा में गुड मिलाकर 90 दिन तक उसे डिब्बे में रखकर एन्जाइम बना सकते है। जिसका उपयोग अपने घरों के बाथरूम, टायलेट आदि की सफाई करने में कर सकते है। कार्यक्रम में मटका खाद और एन्जाइम बनाने की भी जानकारी विस्तार से दी गई। कार्यशाला को सहायक यंत्री संजय तिवारी, गौरव राजपूत ने भी कहा कि गीले कचरे से मटका खाद और एन्जाइन बनाकर उपयोग करें।

दैनिक जागरण

सागर 30 नवम्बर 2020

जागरूक करने एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

जागरण, सागर। स्वच्छ स्वेंक्षण 2021 के अंतर्गत नगर निगम अधिकारियों और विचार संस्था के संयुक्त तत्वाधान में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। विचार संस्था की ओर से विनय मलैया ने बताया कि घरों से निकलने वाले गीले कचरे जैसे सब्जी एवं फलों के छिलके, पत्ते, घरों से निकलने वाली अनुयोगी चाय पत्ती, पूजन के पश्चात् के फूल आदि से हम किस प्रकार अपने घर में मटका बना सकते हैं। कार्यशाला को सहायक यंत्री संजय तिवारी, गौरव राजपूत ने भी संबोधित करते हुये उपस्थित नागरिकों से अपील की कि घरों से निकलने वाले गीले कचरे से मटका खाद और एन्जाइन बनाकर उसका उपयोग घरों लगे में पेड़ पौधों और एन्जाइन से घरों की सफाई में कर सकते हैं जो पर्यावरण को साफ रखने में मददगार होगा। वहीं स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 के अंतर्गत अपने नगर को अच्छे अंक दिलाकर सहभागी बन सकते हैं। कार्यशाला के प्रारंभ में रंग थियेटर फोरम ग्रुप द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। जिसमें नगर को स्वच्छ बनाने का संदेश देते हुये बताया गया कि हम अपने घरों के साथ-साथ आस पड़ोस में सफाई रखें और खुले में शौच न जाएं, घरों से निकलने वाला कचरा केवल कचरा गाड़ी में डालें, घरों से गीले कचरे से मटका खाद बनाएं, सार्वजनिक स्थानों पर कचरा न फेंके और कचरे को न जलाएं। इस अवसर पर सहायक यंत्री संजय तिवारी, एनयूएलएम सिटी मैनेजर सचिन मसीह, गौरव राजपूत, महेश तिवारी, अखिलेश समैया, नितिन पटैरिया, अशोक खरे, राहुल, अमिल शर्मा, नीतू, सीता साहू, अनुराग विश्वकर्मा, महेश सोनी, राजा अहिरवार, विचार संस्था के समन्वयक और वार्ड समितियों के सदस्य सहित नगर निगम के कर्मचारी और विचार संस्था के सदस्य उपस्थित थे।

आचरण

सागर, सोमवार, 30 नवंबर 2020।

नगरपालिक निगम की स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 योजना में विचार संस्था अहम योगदान देगी

सागर आचरण

विचार संस्था स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर कई योजनाओं पर कार्य करती आई है। होम कम्पोस्टिंग, सिंगल यूज पॉलीथिन एवं डिस्पोजल के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने के प्रति जागरूकता फैलाने को लेकर भी संस्था ने बढ़-चढ़कर कार्य किया है। इन्ही सब सक्रियता को देखते हुए और प्रशासन द्वारा ऐसी योजनाओं में अग्रणी सहयोग मिलते रहने के चलते नगर पालिक निगम आयुक्त आर. पी. अहिरवार ने अपने प्रोजेक्ट होम कम्पोस्टिंग, रीयूज और रिफ्यूज पर कार्य करने और जनजागरूकता फैलाने के लिए विचार संस्था से एक बार फिर सहयोग मांगा है। होम कम्पोस्टिंग के अंतर्गत कचरा परिवहन की लागत कम हो सकती है और इसके द्वारा आर्गेनिक खाद भी प्राप्त हो सकती है। रीयूज योजना से उपयोग की गई

सामग्री का पुनः उपयोग हो सकता है। इसके द्वारा गोबर से गमले, दिये, गौकाष्ट बनाना, कागज रीसायकल आदि पर कार्य किया जा सकता है वहीं रिफ्यूज योजना में सिंगल यूज पॉलीथिन, डिस्पोजल आदि का उपायोग न करने के लिए नागरिकों को जागरूक कर सकते हैं। इन सभी योजनाओं को नगर पालिक निगम ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 नाम दिया है जिसमें विचार संस्था द्वारा बैठक आहूत कर इस योजना में सहयोग करने का निर्णय लिया गया है। संस्था द्वारा इसमें सागर नगर निगम के अंतर्गत आने वाले 48 वार्डो के 5 हजार विचार परिवारों में प्रारंभ कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, इसके अंतर्गत विचार मोहल्ला टीमों के वार्ड स्तर पर आदर्श परिवारों का नाम देकर योजना को सुचारू रूप से संचालित किया जायेगा साथ ही साथ प्लास्टिक का कम से कम उपयोग या उपयोग होने पर भी प्लास्टिक रीसायकल तथा गीला कचरा व सूखा कचरे को व्यवस्थित करने का प्रशिक्षण भी दिया गया। होम कम्पोस्टिंग प्रशिक्षण संस्था के कोषाध्यक्ष विनय मलैया ने दिया, संस्था के अध्यक्ष कपिल मलैया जी ने एन्जाइम बनाने की विधि बताई, निगम से संजय तिवारी, सचिन मसीह, गौरव सिंह राजपूत, रोमिल जैन (केपीएमजे), मकरोनिया नगर पालिका से आशीष जैन, समीर जैन, मनोज भाई, मोहल्ला समन्वयक प्रभा साहू, विनीता जोशी, अमित शर्मा, उर्मिला वर्मा, नीलू सागर, विनीता जैन, कस्तूरी बाई विश्वकर्मा, तुलसी राम दाऊ, अनुराग विश्वकर्मा, ममता अहिरवार, महेंद्र सेन, अलोक जैन, राजा अहिरवार आदि । कार्यक्रम का संचालन मुख्य सहायक अखिलेश समैया ने किया आभार मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने माना ।

मीडिया कवरेज

6 प्रदेश टुडे सागर, सोमवार, 30 नवंबर 2020

नगर निगम और विचार संस्था की बैठक आयोजित

गीले कचरे से मटका खाद और एंजाइम बनाने करेंगे जागरूक

प्रदेश टुडे संवाददाता, सागर

स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 के अंतर्गत नगर निगम अधिकारियों और विचार संस्था के संस्थापक कपिल मलैया एवं उनकी टीम के संयुक्त तत्वाधान में स्टेशन रोड मारूति एंजेंसी के बाजू में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

विचार संस्था की ओर से विनय मलैया ने बताया कि घरों से निकलने वाले गीले कचरे जैसे सब्जी एवं फलों के छिलके, पत्ते, घरों से निकलने वाली अनुयोगी चाय पत्ती, पूजन के पश्चात के फूल आदि से हम किस प्रकार अपने घर में मटका बना सकते है, इसी प्रकार विचार संस्था के संस्थापक कपिल मलैया द्वारा जैविक कचरा जैसे घर की कच्ची सब्जियों के छिलके जिसमें निश्चित मात्रा में गुड मिलाकर 90 दिन तक उसे डिब्बे में रखकर एन्जाइम बना सकते है जिसका उपयोग अपने घरों के बाथरूम, टायलेट, टाइल्स, बर्तन आदि की सफाई करने में कर सकते है।

प्रशिक्षण के दौरान विचार संस्था की ओर से विनय मलैया ने जानकारी दी कि नगर निगम के सभी 48 वार्डों के लगभग 5 हजार से अधिक नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता और घर की अनुपयोगी सब्जी, पत्तो, फूल माला, पूजन सामग्री आदि वस्तुओं का किस प्रकार हम होम कम्पोस्ट खाद बनाकर उस खाद को घरों के पौधो के लिये उपयोग में ले सकते है यह विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि घर से निकलने वाली सब्जी एवं फलों के छिलके, पूजन सामग्री आदि को एक मटके या प्लास्टिक के डिब्बे में जिसमें नीचे छेद हो उसमें पहले कुछ गत्ते के टुकडे या पत्ते डाले उसके पश्चात उसमें मिट्टी की परत डाले और उसके ऊपर खाद की एक परत डाले तथा उसके बाद छिलके आदि को डालकर थोड़ी मात्रा में दही, पानी डाले और उसका मुंह कपड़े से बंद कर दें तीन-चार दिन बाद उसे खोलकर उसे हिला दें और यह प्रक्रिया सप्ताह में एक बार अवस्य करें तो हम देखेंगे कि लगभग 30 से 45 दिन के अंदर यह खाद बनकर तैयार हो जायेगा तथा मटके के छेद से निकलने वाला पानी भी अपने घरों के पौधों में डाले तो यह पानी भी खाद का काम करेगा।

प्रशिक्षण में विचार संस्था के संस्थापक कपिल मलैया ने एन्जाइम बनाने की जानकारी देते हुये बताया कि एक लीटर के खाली डिब्बा में 250 ग्राम पानी, 250 ग्रम जैविक कचरा जैसे घर की कच्ची सब्जियों के छिलके और 150 ग्राम गुड़ का मिश्रण कर उसे एक डिब्बे में रखें तथा 24 घंटे में गैस निकलने के लिये 1-2 मिनिट के लिये उसका ढक्कन खुला छोड़ दें और इस सामग्री को 90 दिनों तक डिब्बें में रखें तो हम पायेंगे कि 90 दिनों के पश्चात एंजाइम तैयार हो जायेगा जिसका उपयोग विभिन्न सफाई कार्य जैसे बाथरूम, टाईल्स, टायलेट, बर्तन आदि को साफ करने में किया जा सकता है।

कार्यशाला को सहायक यंत्री संजय तिवारी, गौरव राजपूत ने भी संबोधित करते हुये उपस्थित नागरिकों से अपील की कि घरों से निकलने वाले गीले कचरे से मटका खाद और एन्जाइन बनाकर उसका उपयोग घरों लगे में पेड़ पौधों और एन्जाइन से घरो की सफाई में कर सकते है जो पर्यावरण को साफ रखने में मददगार होगा वहीं स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 के अंतर्गत अपने नगर को अच्छे अंक दिलाकर सहभागी बन सकते है।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से समझाया

कार्यशाला के प्रारंभ में रंग थियेटर फोरम ग्रुप द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया जिसमें नगर को स्वच्छ बनाने का संदेश देते हुये बताया गया कि हम अपने घरों के साथ-साथ आस पड़ोस में सफाई रखें और खुले में शौच न जाय, घरों से निकलने वाला कचरा कचरा गाड़ी में डाले, घरों से गीले कचरे से मटका खाद बनाये, सार्वजनिक स्थानों पर कचरा न फेंके और कचरे को न जलावें। मौके पर सहायक यंत्री संजय तिवारी, सचिन मसीह, गौरव राजपूत, महेश तिवारी, विचार संस्था से अखिलेश समैया, नितिन पटैरिया, अशोक खरे, राहुल, अमिल शर्मा, समन्वयक और वार्डसमितियों के सदस्य सहित नगर निगम के कर्मचारी और विचार संस्था के सदस्य उपस्थित थे।

अतुल्य भास्कर सागर, 30 नवम्बर 2020

स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 योजना में अहम योगदान देगी विचार संस्था

अतुल्य भास्कर, सागर

सागर की विचार संस्था स्वक्षता सर्वेक्षण को लेकर कई योजनाओं पर कार्य करती आई है। होम कम्पोस्टिंग, सिंगल यूज पॉलीथिन एवं डिस्पोजल के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने के प्रति जागरूकता फैलाने को लेकर भी संस्था ने बढ़-चढ़कर कार्य किया है। इन्हीं सब सक्रियता को देखते हुए और प्रशासन द्वारा ऐसी योजनाओं में अग्रणी सहयोग मिलते रहने के चलते नगर पालिक निगम आयुक्त आर. पी. अहिरवार ने अपने प्रोजेक्ट होम कम्पोस्टिंग, रीयूज और रिफ्यूज पर कार्य करने और जनजागरूकता फैलाने के लिए विचार संस्था से एक बार फिर सहयोग मांगा है। होम कम्पोस्टिंग के अंतर्गत कचरा परिवहन की लागत कम हो सकती है और इसके द्वारा आर्गेनिक खाद भी प्राप्त हो सकती है। रीयूज योजना से उपयोग की गई सामग्री का पुनः उपयोग हो सकता है। इसके द्वारा गोबर से गमले, दिये, गौकाष्ट बनाना, कागज रीसायकल आदि पर कार्य किया जा सकता है वहीं रिफ्यूज योजना में सिंगल यूज पॉलीथिन, डिस्पोजल आदि का उपायोग न करने के लिए नागरिकों को जागरूक कर सकते हैं। इन सभी योजनाओं को नगर पालिक निगम ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 नाम दिया है जिसमें विचार संस्था द्वारा बैठक आहूत कर इस योजना में सहयोग करने का निर्णय लिया गया है। संस्था द्वारा इसमें सागर नगर निगम के अंतर्गत आने वाले 48 वार्डो के 5 हजार विचार परिवारों में प्रारंभ कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, इसके अंतर्गत विचार मोहल्ला टीमों के वार्ड स्तर पर आदर्श परिवारों का नाम देकर योजना को सुचारू रूप से संचालित किया जायेगा साथ ही साथ प्लास्टिक का कम से कम उपयोग या उपयोग होने पर भी प्लास्टिक रीसायकल तथा गीला कचरा व सूखा कचरे को व्यवस्थित करने का प्रशिक्षण भी दिया गया।

होम कम्पोस्टिंग प्रशिक्षण संस्था के कोषाध्यक्ष विनय मलैया ने दिया, संस्था के अध्यक्ष कपिल मलैया जी ने एन्जाइम बनाने की विधि बताई, निगम से संजय तिवारी, सचिन मसीह, गौरब सिंह राजपूत, रोमिल जैन (केपीएमजे), मकरोनिया नगर पालिका से आशीष जैन, समीर जैन, मनोज भाई, मोहल्ला समन्वयक प्रभा साहू, बिनीता जोशी, अमित शर्मा, उर्मिला वर्मा, नीलू सागर, विनीता जैन, कस्तूरी बाई विश्वकर्मा, तुलसी राम दाऊ, अनुराग विश्वकर्मा, ममता अहिरवार, महेंद्र सेन, अलोक जैन, राजा अहिरवार आदि।

राज एक्सप्रेस सागर सोमवार, 30 नवम्बर, 2020

गीले कचरे से मटका खाद और एन्जाइम बनाने की विधि सिखाई

नगर निगम एवं विचार संस्था के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित हुई कार्यशाला

सागर। स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 के अंतर्गत नगर निगम अधिकारियों और विचार संस्था के संस्थापक कपिल मलैया एवं उनकी टीम के संयुक्त तत्वावधान में स्टेशन रोड मारूति एंजेसी के बाजू में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। विचार संस्था की ओर से विनय मलैया ने बताया कि घरों से निकलने वाले गीले कचरे जैसे सब्जी एवं फलों के छिलके, पत्ते, घरों से निकलने वाली अनुयोगी चाय पत्ती, पूजन के पश्चात् के फ ूल आदि से हम किस प्रकार अपने घर में मटका खाद बना सकते हैं। इसी प्रकार विचार संस्था के संस्थापक कपिल मलैया ने बताया कि जैविक कचरा जैसे घर की क%ची सब्जियों के छिलके जिसमें निश्चित मात्रा में गुड मिलाकर 90 दिन तक उसे डिब्बे में रखकर एन्जाइम बना सकते है जिसका उपयोग अपने घरों के बाथरूम, टायलेट, टाइल्स, बर्तन आदि की सफ ाई करने में कर सकते है।

प्रशिक्षण के दौरान विचार संस्था की ओर से विनय मलैया ने जानकारी दी कि नगर निगम के सभी 48 वार्डो के लगभग 5 हजार से अधिक नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता और घर की अनुपयोगी सब्जी, पत्तो, फ ूल माला, पूजन सामग्री आदि वस्तुओं का किस प्रकार हम होम कम्पोस्ट खाद बनाकर उस खाद को घरों के पौधो के लिये उपयोग में ले सकते है यह विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि घर से निकलने वाली सब्जी एवं फलों के छिलके, पूजन सामग्री आदि को एक मटके या प्लास्टिक के डिब्बे में जिसमें नीचे छेद हो उसमें पहले कुछ गत्ते के टुकडे या पत्ते डाले उसके पश्चात् उसमें मिट्टी की परत डाले और उसके ऊपर खाद की एक परत डाले तथा उसके बाद छिलके आदि को डालकर थोड़ी मात्रा में दही, पानी डाले और उसका मुंह कपड़े से बंद कर दें तीन-चार दिन बाद उसे खोलकर उसे हिला दें और यह प्रक्रिया सप्ताह में एक बार अवश्य करें तो हम देखेंगे कि लगभग 30 से 45 दिन के अंदर यह खाद बनकर तैयार हो जायेगा तथा मटके के छेद से निकलने वाला पानी भी अपने घरों के पौधों में डाले तो यह पानी भी खाद का काम करेगा।

प्रशिक्षण में विचार संस्था के संस्थापक कपिल मलैया ने एन्जाइम बनाने की जानकारी देते हुये बताया कि एक लीटर के खाली डिब्बा में 250 ग्राम पानी, 250 ग्राम जैविक कचरा जैसे घर की कच्ची सब्जियों के छिलके और 150 ग्राम गुड़ का मिश्रण कर उसे एक डिब्बे में रखें तथा 24 घंटे में गैस निकलने के लिये 1-2 मिनिट के लिये उसका ढक्कन खुला छोड़ दें और इस सामग्री को 90 दिनों तक डिब्बें में रखें तो हम पायेंगे कि 90 दिनों के पश्चात् एन्जाइम तैयार हो जायेगा जिसका उपयोग विभिन्न सफ ाई कार्य जैसे बाथरूम, टाईल्स, टायलेट, बर्तन आदि को साफकरने में किया जा सकता है। कार्यशाला को सहायक यंत्री संजय तिवारी, गौरव राजपूत ने भी संबोधित करते हुये उपस्थित नागरिकों से अपील की कि घरों से निकलने वाले गीले कचरे से मटका खाद और एन्जाइम बनाकर उसका उपयोग घरों लगे में पेड़ पौधों और एन्जाइम से घरों की सफाई में कर सकते है जो पर्यावरण को साफ रखने में मद्दगार होगा। कार्यशाला के प्रारंभ में रंग थियेटर फोरम ग्रुप द्वारा नुकड़ नाटक का आयोजन किया गया जिसमें नगर को स्वच्छ बनाने का संदेश देते दिया गया। इस अवसर पर सहायक यंत्री संजय तिवारी, एन.यू.एल.एम.सिटी मैनेजर सचिन मसीह, गौरव राजपूत, महेश तिवारी, विचार संस्था से अखिलेश समैया, नितिन पटैरिया, अशोक खरे, राहुल, अमिल शर्मा, नीतू, सीता साहू, अनुराग विश्वकर्मा आदि उपस्थित रहे।

सागर दिनकर सागर सोमवार, 30 नवंबर 2020 सागर

स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 योजना में विचार संस्था अहम योगदान देगी

सागर। सागर की विचार संस्था स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर कई योजनाओं पर कार्य करती आई है। होम कम्पोस्टिंग, सिंगल यूज पॉलीथिन एवं डिस्पोजल के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने के प्रति जागरूकता फैलाने को लेकर भी संस्था ने बढ़-चढ़कर कार्य किया है। ...

देशबन्धु सागर, सोमवार 30 नवंबर 2020

गीले कचरे से मटका खाद और एन्जाइम बनाने कार्यशाला में दी जानकारी

सागर, देशबन्धु। स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 के अंतर्गत नगर निगम अधिकारियों और विचार संस्था के संस्थापक श्री कपिल मलैया एवं उनकी टीम के संयुक्त तत्वाधान में स्टेशन रोड मारूति एंजेसी के बाजू में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। ...

सागर भोपाल, सोमवार 30 नवम्बर 2020 राष्ट्रीय हिन्दी मेल

गीले कचरे से मटका खाद और एन्जाइम बनाने की विधि सिखाई

सागर। स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 के अंतर्गत नगर निगम अधिकारियों और विचार संस्था के संस्थापक कपिल मलैया एवं उनकी टीम के संयुक्त तत्वाधान में स्टेशन रोड मारूति एंजेसी के बाजू में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। विचार संस्था की ओर से विनय मलैया ने बताया कि घरों से निकलने वाले गीले कचरे जैसे सब्जी एवं फलों के छिलके, पत्ते, घरों से निकलने वाली अनुयोगी चाय पत्ती, पूजन के पशात् के फूल आदि से हम किस प्रकार अपने घर में मटका खाद बना सकते हैं। इसी प्रकार विचार संस्था के संस्थापक कपिल मलैया ने बताया कि जैविक कचरा जैसे घर की कच्ची सब्जियों के छिलके जिसमें निश्चित मात्रा में गुड मिलाकर 90 दिन तक उसे डिब्बे में रखकर एन्जाइम बना सकते है जिसका उपयोग अपने घरों के बाथरूम, टायलेट, टाइल्स, बर्तन आदि की सफाई करने में कर सकते है। प्रशिक्षण के दौरान विचार संस्था की ओर से विनय मलैया ने जानकारी दी कि नगर निगम के सभी 48 वार्डो के लगभग 5 हजार से अधिक नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता और घर की अनुपयोगी सब्जी, पत्तो, फूल माला, पूजन सामग्री आदि वस्तुओं का किस प्रकार हम होम कम्पोस्ट खाद बनाकर उस खाद को घरों के पौधो के लिये उपयोग में ले सकते है यह विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि घर से निकलने वाली सब्जी एवं फ लों के छिलके, पूजन सामग्री आदि को एक मटके या प्लास्टिक के डिब्बे में जिसमें नीचे छेद हो उसमें पहले कुछ गत्ते के टुकडे या पत्ते डाले उसके पशात् उसमें मिट्टी की परत डाले और उसके ऊपर खाद की एक परत डाले।

नपा की स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 योजना में विचार संस्था अहम् योगदान देगी

नगर निगम आयुक्त ने सागर तालाब के किनारों एवं घाटों की साफ़ाई व्यवस्था का निरीक्षण किया

॥विचार संस्था॥

(स्थापना वर्ष 2003)

निवेदन

आपसे निवेदन है कि अधिक से अधिक मात्रा में दान देकर इस मुहिम को आगे बढ़ाने में सहयोग करें।

दान राशि बैंक खाते में डालने हेतु जानकारी इस प्रकार है।

Bank a/c name- VicharSamiti
Bank- State Bank of India
Account No.- 37941791894
IFSC code- SBIN0000475
Paytm/ Phonepe/ Googlepay/ upi
आदि दान करने के लिए नीचे दिए गए
QR कोड को स्कैन करें.

BHIM UPI

VICHAR SAMITI

Pay With Any App

G Pay Paytm PhonePe WhatsApp amazon

150+ Apps

Powered By: BharatPe

- संपर्क -

Website : vicharsanstha.com
Facebook : Vichar Sanstha
Youtube : Vichar Samachar
Ph. No. : 9575737475, 9009780042
Address : 258/1, Tilakganj, Behind Adinath Cars Ltd, Sagar (M.P.) 470002